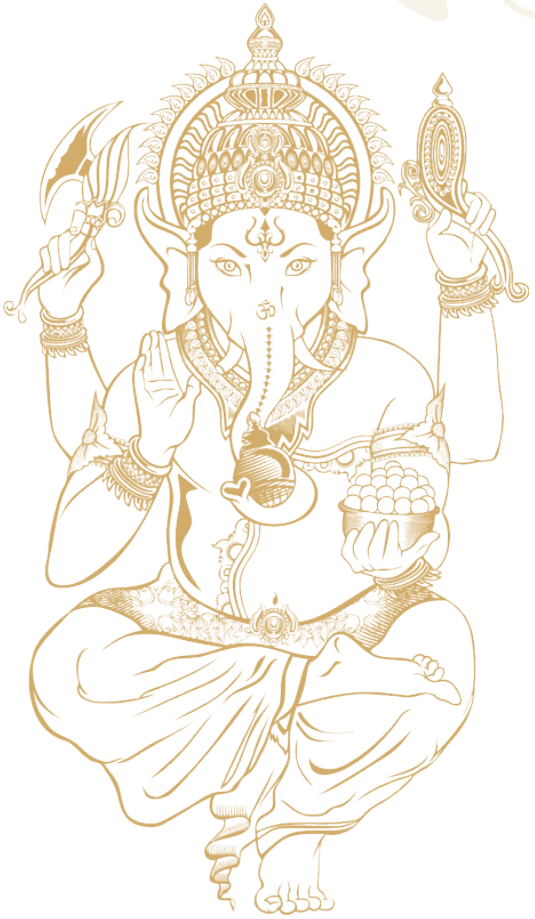

Aradhana mishra

28 Sep 1996

04:45 AM

Handia

Model: web-freekundliweb

Order No: 121093202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27-28/09/1996**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	57:12:50 घटी
स्थान	**Handia**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:22:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:43:48 घंटे
वेलान्तर	00:09:01 घंटे
साम्पातिक काल	05:11:52 घंटे
सूर्योदय	05:51:51 घंटे
सूर्यास्त	17:52:03 घंटे
दिनमान	12:00:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:18:04 कन्या
लग्न के अंश	25:19:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:19:14	325:22:01	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	11:18:04	00:58:52	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	सम राशि
चंद्र			मीन	22:39:11	14:12:15	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	17:22:06	00:36:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध			सिंह	25:19:10	00:12:44	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु			धनु	14:56:14	00:04:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	29:06:25	01:08:19	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	10:03:46	00:04:41	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:10:40	00:00:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:10:40	00:00:03	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	06:53:25	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:11:07	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:09:50	00:01:32	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	25:07:22	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:43

लग्न-चलित

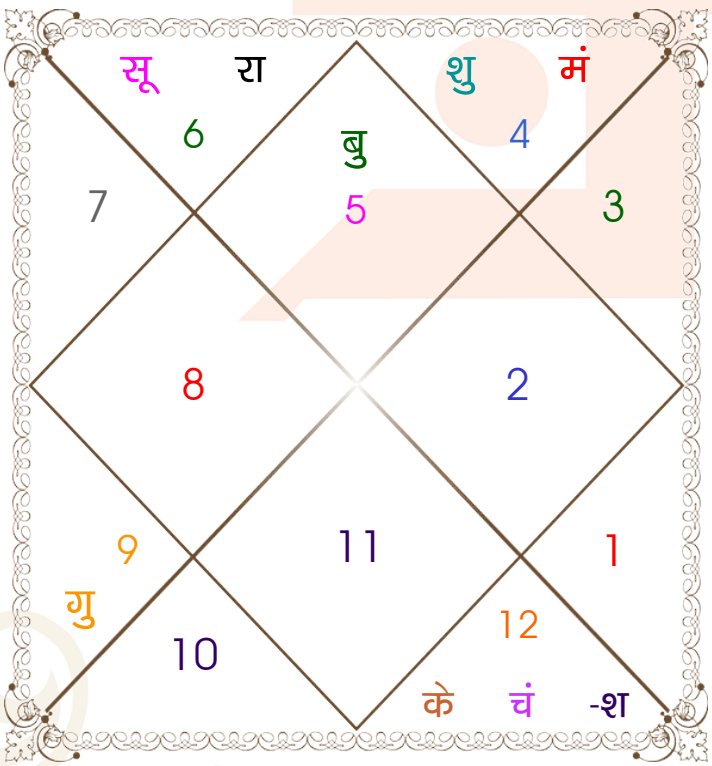

चन्द्र कुंडली

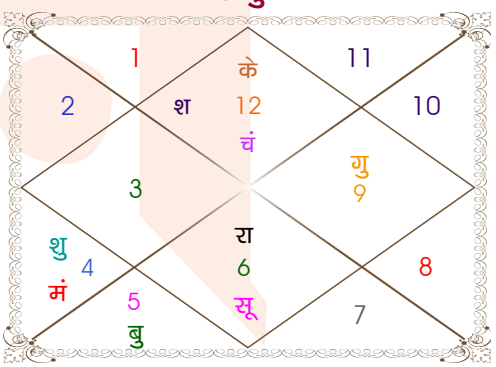

नवमांश कुंडली

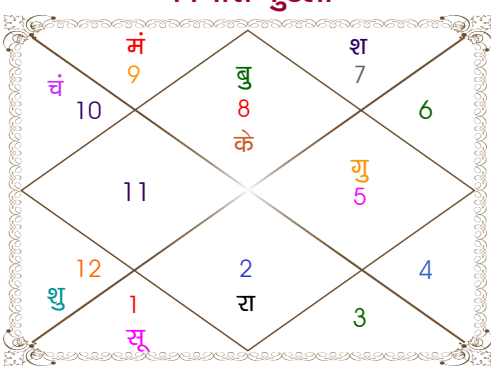

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 4 मास 12 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/09/1996		09/02/2006		09/02/2013		09/02/2033		09/02/2039	
09/02/2006		09/02/2013		09/02/2033		09/02/2039		09/02/2049	
	00/00/0000	केतु	08/07/2006	शुक्र	10/06/2016	सूर्य	29/05/2033	चंद्र	11/12/2039
	00/00/0000	शुक्र	07/09/2007	सूर्य	11/06/2017	चंद्र	28/11/2033	मंगल	11/07/2040
	00/00/0000	सूर्य	13/01/2008	चंद्र	09/02/2019	मंगल	05/04/2034	राहु	10/01/2042
	28/09/1996	चंद्र	13/08/2008	मंगल	10/04/2020	राहु	28/02/2035	गुरु	12/05/2043
चंद्र	10/08/1997	मंगल	09/01/2009	राहु	11/04/2023	गुरु	17/12/2035	शनि	10/12/2044
मंगल	08/08/1998	राहु	28/01/2010	गुरु	10/12/2025	शनि	28/11/2036	बुध	11/05/2046
राहु	24/02/2001	गुरु	04/01/2011	शनि	09/02/2029	बुध	04/10/2037	केतु	10/12/2046
गुरु	02/06/2003	शनि	13/02/2012	बुध	11/12/2031	केतु	09/02/2038	शुक्र	10/08/2048
शनि	09/02/2006	बुध	09/02/2013	केतु	09/02/2033	शुक्र	09/02/2039	सूर्य	09/02/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/02/2049		10/02/2056		09/02/2074		09/02/2090		10/02/2109	
10/02/2056		09/02/2074		09/02/2090		10/02/2109		00/00/0000	
मंगल	08/07/2049	राहु	23/10/2058	गुरु	29/03/2076	शनि	12/02/2093	बुध	10/07/2111
राहु	27/07/2050	गुरु	17/03/2061	शनि	11/10/2078	बुध	23/10/2095	केतु	06/07/2112
गुरु	02/07/2051	शनि	22/01/2064	बुध	16/01/2081	केतु	01/12/2096	शुक्र	07/05/2115
शनि	10/08/2052	बुध	11/08/2066	केतु	22/12/2081	शुक्र	31/01/2100	सूर्य	12/03/2116
बुध	07/08/2053	केतु	29/08/2067	शुक्र	22/08/2084	सूर्य	13/01/2101	चंद्र	29/09/2116
केतु	04/01/2054	शुक्र	29/08/2070	सूर्य	11/06/2085	चंद्र	15/08/2102		00/00/0000
शुक्र	06/03/2055	सूर्य	24/07/2071	चंद्र	11/10/2086	मंगल	24/09/2103		00/00/0000
सूर्य	12/07/2055	चंद्र	22/01/2073	मंगल	17/09/2087	राहु	31/07/2106		00/00/0000
चंद्र	10/02/2056	मंगल	09/02/2074	राहु	09/02/2090	गुरु	10/02/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 4 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगी। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी की निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी स्त्री का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगी। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकते है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी हैं।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण वस्तुओं का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान है। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकती हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगी। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करती रहीं तो बाद में पश्चाताप करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास सुन्दर पति, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।